

°विधि Verz. d. B. H. No. 1022.

प्रातःसव m. = प्रातःसवन KĀTJ. Çr. 9,9,6. 7. 10,14. ÇĀṆKH. Çr. 7,4,2.

प्रातःसवर्न (प्रातरु + सव) n. Frühspende des Soma, deren Ritual aus zehn liturgischen Elementen (प्रातरनुवाक, अग्निषव उपाशु und अर्चयामयक), बह्विष्यमानस्तोत्र, सवनीयाः पशवः, धिष्योपस्थान, सवनीयाः पुरोडाशाः, द्विदेवत्यप्रक्षाः, द्विदेवत्यभक्त, ऋतुयाजाः, आद्य शस्त्र, प्रउग शस्त्र) besteht: अग्निः प्रातःसवने पावस्मान् AV. 6,47,1. सोमः प्रातःसवने अग्निर्नोर्वति प्रियः 9,1,11. VS. 19,26. AIT. Br. 3,44. 7,34. 8,1. TBR. 2,7,4,3. ÇAT. Br. 2,4,4,12. 12,3,4,3. KHAND. UP. 3,16,1. KĀTJ. Çr. 12,3,2. 22,9,9. 25,14,20. ĀCV. Çr. 5,1. ÇIKSHĀ 9 in Ind. St. 4,106. MBH. 13,3058. R. 1,13,5.

प्रातःसवर्निक adj. davon: पुरोडाश ĀCV. Çr. 9,2. ÇĀṆKH. Çr. 7,19,7,8,3,5.

प्रातःसवनीय adj. dass: सोम PAÑKAV. Br. 18,4,2. ÇĀṆKH. Çr. 14,2,17.

प्रातःसाव (प्रातरु + साव) m. Soma-Bereitung in der Frühe, Morgenspende: अग्नें वृषस्व नो कृविः पुरोडाशं प्रातःसावे RV. 3,28,1. 52,4. इन्द्रं पिबं सुतस्य प्रातःसावस्तव हि पूर्वपीतिः 10,112,1.

प्रातःस्नान (प्रातरु + स्नान) n. ein Bad am frühen Morgen GĀRUPA-P. 50 im ÇKDr. °विधि Verz. d. B. H. No. 330.

प्रातःस्नायिन् (प्रातरु + स्नायि) adj. am frühen Morgen sich badend GĀRUPA-P. 215 im ÇKDr. u. प्रातःस्नान.

प्राति (von 1. प्रा) f. 1) Füllung, Vollmachung (पूर्ति). — 2) Spanne des ausgestreckten Daumens und Zeigefingers (प्रादेश) MED. I. 33.

प्रातिकण्ठिक adj. = प्रतिकण्ठं गृह्णाति P. 4,4,40.

प्रातिका f. chinesische Rose, Hibiscus rosa sinensis (जवा) RĪĀN. im ÇKDr. Nigh. Pr. decrepitude Wils., was auf einer Verwechslung von जवा mit जरा beruht.

प्रातिकामिन् (von प्रतिकामम्) m. Diener, Bote MBH. 2,2199. fgg. 3,17243. 4,524. 9,1937. 3163. °कामीम् acc. 2,2198. fälschlich प्रातिककामिन् 2200.

प्रातिकूलिक adj. = प्रतिकूलं वर्तते P. 4,4,28.

प्रातिकूल्य (von प्रतिकूल) n. unfreundliches Entgegentreten, Widersetzung, Opposition VOP. 7,90. MBH. 2,2122. 5,1724. यो ऽर्थकामस्य च चर्चं प्रातिकूल्यान् (so ist auch 5,1146 zu lesen) मृष्यते 12,3510. अ° ÇĀṆP. 44.

प्रातिकर्त्तृ n. nom. abstr. von प्रतिक gaṇa पुरोहितादि zu P. 5,1,128.

प्रातिक्षेपिक adj. von प्रतिक्षेप VJUTP. 177.

प्रातिक्षणीन (von प्रतिक्षन) adj. gegen den Gegner gut P. 4,4,99. Schol. zu 7,1,2.

प्रातिज्ञ (von प्रतिज्ञा) n. Gegenstand der Behandlung AV. PRĀTIC. 1,1.

प्रातिथेयी (patron. von प्रतिथि) f. N. pr. einer weisen Frau ĀCV. GRHJ. 3,4 (प्रातिथेयी STENZLER). ÇĀṆKH. GRHJ. 4,10. AV. PARIC. in Verz. d. B. H. 92,6.

प्रातिदिवसिक (von प्रतिदिवसम्) adj. täglich stattfindend: उद्यास्तमयौ ĀRJABHATTA bei Muir, ST. IV, 97, N. 96, 3 v. u.

प्रातिनिधिक (von प्रतिनिधि) m. Stellvertreter KĀTJ. Çr. 25,13,42.

प्रातिपक्ष्य (प्रतिपक्ष) n. Feindschaft: अस्माकम् gegen uns KATHĀS. 43,17,25.

प्रातिपथिक adj. = प्रतिपथिक den Weg entlang gehend P. 4,4,42.

प्रातिपर्द (von प्रतिपर्द) 1) adj. gaṇa संधिवेलादि zu P. 4,3,16. den

Anfang bildend: तृच ÇĀṆKH. Çr. 7,19,8. — 2) m. N. pr. eines Mannes ÇATR. 14,303. 307.

प्रातिपदिक 1) n. SIDDH. K. 248, b. 1 v. u. Nominalthema, die Form eines Nomens, an welche die Casusendungen und andre Suffixe gefügt werden. AV. PRĀT. 3,78. P. 1,2,45. 47. 2,3,46. 4,71. 4,1,1. 8,2,7. 4,11. SĀH. D. 9,14. Davon nom. abstr. °त्व n. Schol. zu P. 1,2,45. — 2) adj. ausdrücklich: प्रातिपदिकानुरोधात् according to the expression (vgl. प्रतिपदम् 3.) NILAK. 67. — 3) m. nach ÇKDr. und WILSON ein Beiname des Feuers; im ÇKDr. wird aus dem VARĀHA-P. folgende Belegstelle angeführt: (ब्रह्मवाच) अदी प्रातिपदा येन त्वमुत्पन्नो ऽसि पावक ॥ त्वत्पदात्प्रातिपदिकं (!) संभविष्यति देवताः । अतस्ते प्रतिपन्नाम तिथिरपा भविष्यति ॥ — Von प्रतिपद und प्रतिपदम्.

प्रातिपीर्य m. patron.: वल्किष्क ÇAT. Br. 12,9,3. 3. बाल्हीक MBH. 7,6934. Häufiger प्रातिपेय 1,5088. 3,693. 1353. 11,621. PRAVARĀDHJ. in Verz. d. B. H. 38,23. pl. MBH. 2,2112. 2117. 2393. 5,2289.

प्रातिपेय s. u. प्रातिपीय.

प्रातिपौरुषिक (von प्रति + पौरुष) adj. auf die Männlichkeit —, — Tapferkeit bezüglich: °कान्गुणान् । तव संकीर्तयिष्यामि MBH. 5,2704.

प्रातिबोध m. patron. von प्रतिबोध gaṇa विदादि zu P. 4,1,104.

प्रातिबोधायेन m. patron. von प्रतिबोध gaṇa कृतितादि zu P. 4,1,100.

प्रातिभ (von प्रतिभा) adj. divinatorisch; in Verbindung mit ज्ञान oder n. mit Ergänzung von ज्ञान Divination WEBER, GJOT. 3,8, N. 1. Verz. d. Oxf. H. 231, a, 3,5. 22. MĀRK. P. 40,7. 9. KATHĀS. 30,137. ÇIC. 12,10 (vgl. SĀH. D. 66,1). so v. a. प्रतिभा schnelles Begreifen: वीर्येण च पराक्रमैः । समेन वयसा चैव प्रातिभेन श्रुतेन च MBH. 5,2430.

प्रातिभाव्य (von प्रतिभू) n. Bürgerschaft M. 8. 159. दर्शन° 160. JĀĒN. 2. 52. fgg. MBH. 5,1080. DAÇAK. 161,8.

प्रातिभासिक (von प्रतिभास) adj. nur den Schein habend, nur dem Scheine nach bestehend BĀLAB. 40,41.

प्रातिलोमिक (von प्रतिलोमम्) adj. widerhaarig, widrig P. 4,4,28.

प्रातिलोम्य (wie eben) n. die Richtung entgegen, — gegen die natürliche Ordnung; Opposition, feindliche Gesinnung NTR. 1,3. M. 10,13. 16. JĀĒN. 2,207. 286. BUIG. P. 5,23. 6. प्रातिलोम्यात् aus Opposition MBH. 5,847. 12,4203. P. 5,4,64. 8,1,33. नगरप्रातिलोम्याय um nicht der Stadt entgegen zu treten RĪĀA-TAR. 3,352.

प्रातिवेश्मक (von प्रतिवेशम्) adj. zum Nachbarhaus gehörig, nachbarlich; subst. Nachbar PAÑKĀT. in BENFEY's Uebersetzung Bd. II. Note 607.

प्रातिवेश्य (von प्रतिवेश) m. ein Nachbar gegenüber, Nachbar überh.: प्रातिवेश्यानुवेश्यौ M. 8,392. MBH. 7,2602. मत्प्रातिवेश्य DAÇAK. in BENF. Chr. 197,11. ब्राह्मण° ein benachbarter Brahman JĀĒN. 2,263.

प्रातिवेश्यक (von प्रतिवेश्य) m. Nachbar PAÑKĀT. 164,14.

प्रातिशाख्य (von प्रतिशाखम्) n. gaṇa प्रतिमुखादि zu P. 4,3,58, Vārtt. Bez. einer Klasse grammatischer Hilfsbücher zu bestimmten vedischen Texten, ROTH, Zur Lit. u. G. d. W. WHITNEY zu AV. PRĀT. 1,1,4,106. MÜLLER, SL. 116. fgg. MADHUS. in Ind. St. 1,16. 7 v. u. SHAPESURUÇ. ebend. 102. Schol. zu P. 1,1,9. 8,4,67. SIDDH. K. zu P. 6,1,116. KATHĀS. 2,38.

°कृत् pl. Schol. zu P. 8,3,61.

प्रातिश्रवस s. u. प्रतिश्रवम्.